CODE NO. - 3

[stamp]

सबके साथ सबका विकास

हमारे इस दुनिया में जीने वाली हर व्यक्ति केवल अपने बारे में ही सोचते हैं। उन लोगों की मन में स्वार्थता भरा हुआ है। देश का विकास के साथ-साथ राष्ट्र के लोगों का मन छोटा होते जा रहे हैं। इस प्रकार जीने वाली इस युग में प्रसक्त वाक्य है "सबके साथ सबका विकास"।

~~हमें हमारे जैसे~~

हम अब जीनेवाली युग 'कलियुग' ~~हाँ~~ है। इस युग में सब लोगों को केवल उनका चिंता है किसी और की नहीं। इसलिए इस दुनिया में चोरी, हत्या आदि प्रबल है। लेकिन इस ~~का~~ दुनिया में बहुत कम लोग हैं जो अपने आपको भूलकर बाकि लोगों के लिए मेहनत कर रही हैं। उन लोगों के मन में केवल यह चिंता है कि जब हमें कोई जीत ~~आओगी~~ आएगी उनके साथ-साथ बाकि लोग भी जीत जाएँ। इसलिए धनिक या उच्चलोग बहुत सारी आयोजनाएँ ~~शु~~ शुरू की है जिससे उनके साथ गरीब या निम्न लोगों को भी उनकी ~~ि~~ विजय का मधुर प्राप्त हो।

इस युग में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी बहुत सारी योजनाएँ ~~आलोचित~~ कि शुरू की है जैसे की "गरीब कल्याण योजना", "जन-धन ~~की~~ योजना", आदि। इन आयोजनाओं का उपयोग हर व्यक्ति करती है। और बहुत सारे लोग इन्हीं योजनाओं के लिए अपने पास की

चीजें योगदान भी करते हैं। इन लोगों की मन में आया सोच है 'सबके साथ सबका विकास'। इन लोगों को सिर्फ अन्य लोगों की खुशी ही चाहिए किसी और नहीं। जब वे जैसे हजारों आयोजनाओं का फल लोगों को प्राप्त होते हैं तब इन लोग अपने चीजें देनेवालों को धन्यवादपूर्वक याद करती हैं। इससे होता है सबका विकास।

जब हर व्यक्ति या समूह विकसित होती है तब होती है राष्ट्र की प्रगति। इस प्रगति के लिए हर राष्ट्र के बीच केवल लोगों की प्रगति के बारे में हमेशा दुश्मनी है और इसी कारण से दुनिया में युद्ध होती है। इस तरह हमेशा युद्ध और जीत का चिंता के कारण उस देशों विकास नहीं होती। राष्ट्र के लोग तब विकसित होती है जब राष्ट्र समाधान फैला हुआ है। तब ही लोगों को अपना बुद्धि को पूरी तरह से और अच्छी तरह से उपयोग कर सकता है। बच्चों को भी समाधानी चाहिए जिससे इन्हें अपना बचपन को पूरी तरह से प्रयोग कर सकता है।

एक कहावत है कि "मनुष्य बचपन में कैसा है, वह अपनी मृत्यु तक वैसा ही होगा"। इसलिए राष्ट्र में सबका विकास के लिए बच्चों से आयोजनाएँ शुरू करना चाहिए। 'आज की बच्चे, कल का अमानत' ऐसा कहते हैं। स्कूल में शुरू किए जानेवाली कई आयोजनाओं से बच्चों के मन में बहुत सारी बदलाव आती है। बच्चों को अन्य मानवों से बातें करने से या खेलने से, इनके मन में समत्वबोध आता

CODE No - 3

है । इसी समत्वबोध के कारण बच्चों को ~~भावि~~ भविष्य में अन्य लोगों को मदद करने का सोच भी आती है । उनके मन यह स्थायी होती है कि कानून के सामने हर व्यक्ति एक है, कोई उच्च या निम्न ऐसा नहीं है । इसलिए उन लोगों ने सब लोगों का विकास के लिए मेहनत करेगा ।

समाज ~~स्कूल~~ में लड़का - लड़की एक ही है । लेकिन अभी भी इस दुनिया में उस तरह की लोग या समूह है जो लड़कियों को निम्न समझती है । हमारा भारत एक विकसित राष्ट्र है फिर भी ~~?~~ भारत के कई जगहों के ~~?~~ लोग लड़कियों को स्कूल ~~नहीं भेजा क~~ में नहीं भेजा करते हैं । उनके लिए लड़के ही अच्छे है । क्योंकि वे परिवार के लिए कमाते हैं । इसी लिए उस जगहों की लड़कियों की विकास के लिए प्रधानमंत्री द्वारा आयोजित एक उत्तम आयोजना है "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" । इस आयोजना के ~~?~~ ~~?~~ मात्रा कई सारी लड़कियाँ अब स्कूल आते हैं और उनके सपनों की उड़ान भी करते हैं । इस तरह होता है सबका विकास ।

लड़कियों की तरह निम्न जाती के लोगों के लिए भी ~~फुरने~~ पुराने जमाने में स्कूल आने की, मंदिर आने की अनुमति नहीं थी । अब कई महापुरुषों की प्रवर्तन के फल में निम्न जाति के लोग अब पढ़ रहे हैं, और उन्हें मंदिर आने की पूरी ~~?~~ अनुमति है । ~~?~~ लेकिन अभी ~~?~~ भी बहुत सारी निम्न वर्ग के ~~के~~ लोग है जो अनपढ़ है, बेकार है . . . । इन लोगों की विकास के लिए ~~अभी भी~~ आज भी बहुत कुछ करना है ।

इस कारण से ~~बहुत~~ अनेक ~~अ~~ महारथों ने अपनी ही ~~व्यक्तित्व~~ जिंदगी भूलकर दूसरों के लिए काम करते हैं। 'इरुजब्बा' इसका एक उदाहरण है। उसके मन में एक ही सोच थी। वह है, "उसे ~~औ~~ ~~पढ़े~~ पढ़ने - लिखने के लिए अवसर नहीं मिला था ~~है~~ इसलिए ~~है~~ वह एक स्कूल स्थापित करके बहुत ~~सारे~~ सारे बच्चों को पढ़ाती है।" उनका काम है फलों को भेजना। इन्हीं काम से कमाया गया पैसों से वह एक स्कूल चलाती है। ये सबका कारण है ~~यह~~ सबके विकास का सोच।

आज - कल युवा पीढ़ी बहुत आलसी है। लेकिन हमें बहुत सारे इस तरह की युवक देख सकते हैं जो अपने ही नहीं दूसरों की भी ~~मदद~~ जिंदगी ~~हँसी - खुशी~~ हँसी - खुशी ला सकती है। उनके मन में सबको ~~के~~ लेकर अच्छी - अच्छी सोच है और उनकी विकास की चिंता है। ~~इस~~ इस तरह की युवा पीढ़ी हमारे राष्ट्र का और दुनिया का समानक है। उसे खो नहीं दे ~~स~~ जाना चाहिए। इसको खो - देने से राष्ट्र की विकास में रुकावट आ सकता है। आज की युवा पीढ़ी के मन में एन. एस. एस., स्कौट जैसे योजनाओं के रूप में ~~सबका~~ सबका विकास का सोच उड़ाते हैं। वे अनेक गरीब लोगों के लिए घर ~~पैसा~~ बना देता है। पैसा देता है। इससे उनके मन में यह सोच सशक्त होते हैं कि हमारा साम्य - साम्य सभी लोग विकसित होना जरूरी है।

सबका विकास से राष्ट्र ~~अत्~~ ~~अत्युत्तम~~ लोकराष्ट्र में अत्युत्तम स्थान प्राप्त करते हैं। लेकिन सबका या खेलने से, उनके मन म ~~[illegible]~~ [illegible]

CODE NO - 3

[stamp]

विकास के लिए आयोजित कार्यक्रम में अनेक रुकावटें आ जाती है। इसका प्रथम कारण है भ्रष्टाचारी राजनैतिज्ञ। उन कार्यक्रमों में जो होना है, या उनका फल जिसे मिलना चाहिए, वे सब इन राजनैतिज्ञों के कारण बदल जाती है। ~~सब~~ राजनैतिज्ञ के तरह बहुत सारी उच्च लोग है जो अपने काम के लिए दूसरों से पैसे माँगते है। ये सब सरकारी संस्थाओं में अधिक मात्रा से हो रहा है। एक व्यक्ति या राष्ट्र का विकास के लिए सभी संस्थाओं मे विकसित होना जरूरी है। इसलिए भ्रष्टाचार ~~विकास~~ राष्ट्रीय विकास और मानवीय विकास के लिए प्रतिकूल खड़क है।

पुराने जमाने में सबको विकसित बनाना एक अतिकठिन काम थी। क्योंकि उस समय स्कूल और स्कूल में आनेवाले लोग, ~~एक~~ सरकारी संस्थाएँ, विकास केलिए योजनाएँ, सब बहुत कम थे। अब स्कूल के कारण ही लोग विकसित बनते है। पुराने जमाने में ~~अपनी~~ हमारे राष्ट्र में बहुत सारे अनपढ़ लोग थे। अब वह बहुत कम है, और जो अनपढ़ लोग है वह अवसर न मिलने के कारण नहीं अनपढ़ बने है। किंतु उन लोगों की आलसी या फिर शिक्षा के प्रति विमुखता आदि के कारण है। एक विकसित राज्य या फिर विकास चाहने वाली राष्ट्र में विद्यालय और विद्यार्थी दोनों अविभाज्य खड़क है।

हमारे राजनैतिज्ञ द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सबका ध्येय वाक्य है "सबके साथ सबका विकास"। इसलिए वह सारे लोग गरीब या कोई असमंताओं सहने वाली लोगों को बहुत ध्यान देते है। ~~स~~ उनसे जितना हो सके वे सब लोगों की विकास के लिए ही करते है। हमारा राज्य एक

प्रजातांत्रिक शब्द है। इसलिए सबको लोगों की विकास ही एक लक्ष्य है। और लोगों की विकास से शब्द की विकास। इस दुनिया की सारी शब्दों से विभिन्न एक प्रजातांत्रिक शब्द है भारत। भारत में जो कार्यक्रम होते हैं उसका पूरा लक्ष्य एक ही है - विकास। इसलिए एक भारतीय होने के कारण हमें सब कुछ मिलते हैं जो अन्य लोगों को सोच भी नहीं सकते। ये सबका कारण यही सोच है - सबका विकास।

सभी लोग विकसित होने से एक पूरा शब्द विकसित होता है। विकास के लिए आयोजित सभी कार्यक्रम अच्छा है - यह सच नहीं है। उसमें ऐसा कार्यक्रम भी होता है जो मनुष्य जाति को भी बुरा है। अणु बॉम्ब उसका उत्तम उदाहरण है। उससे विज्ञान में बहुत बड़ी विकास हुई लेकिन वह मानव को हानिकारक है।

विकास प्राप्त करने से लोगों के मन में होने वाली असमताओं के सोच दूर हो जाता है। उन्हें ये ज्ञान प्राप्त होता है कि सब एक ही है। मनुष्यों को जाति में बाँटना उचित नहीं है। जाति - पाँति एक भयानक समस्या है। ऐसे से सोच उनके मन में आते हैं। यही विकास का लक्ष्य है और फल है। सबको विकसित बनाना आसान नहीं है। इस कालिए हम सबका प्रवर्तन जरूरी है।

"सबके साथ सबका विकास" ऐसा सोच हम सबके मन में होना चाहिए। इन्ही सोच से हम एक महत्वपूर्ण शब्द बना सकता है। लेकिन वह इतना आसान नहीं है।

CODE NO - 3

आज के युवा - पीढ़ी नशा, ध्रूमपान आदि ~~दुष्प्रवृत्ति~~ दुष्प्रवृत्ति में मजा ढूँढता है। इन लोगों को निर्देश की जरूरत है। इस प्रकार हर व्यक्ति को मार्गनिर्देश देकर उन लोगों को अच्छा बनाना है। ~~इस से~~ इससे सबका विकास होता है। लि
सबको विकसित बनाना सच में एक अतिकठिन काम है और आज बहुत सारी लोग इनके लिए दिन - रात मेहनत कर रही है। वे सबसे एक राष्ट्र पूरी तरह से विकसित नहीं होते। वे सब काम के लिए हमें सरकार और सरकारी लोगों का मदद अत्यावश्य है। हर व्यक्ति को किसी भी चीज में जरूर अभिरूची होगा। यह समझकर उसमें उन्हें अच्छा बनाना है और प्रथम स्थान प्राप्त करवाना है। इस तरह से ही हम सबके साथ सबका विकास के लिए न
मदद कर सकती है। ऐसी विकास होगी तो हमारा राष्ट्र कुछ ही सालों में विकसित राष्ट्रों में प्रथम आ जाएगी। लेकिन इसके लिए हमें एक साथ काम करना चाहिए। ग

'सबके साथ सबका विकास'

इसके लिए आगे भी बहुत ~~सारी~~ कुछ करना है और वे सब करके सबको विकसित बनाना भी है। इस तरह सबको विकसित बनाने के लिए हर राष्ट्र के लोगों को एक साथ, एक होकर लोगों की मदद करना है। हम लोग विश्वमानवीयता पर विश्वास रखने वाले हैं। इसलिए विकास सिर्फ एक व्यक्ति या राष्ट्र के लिए नहीं बल्कि दुनिया के हर व्यक्ति को होना जरूरी है। ~~हर व्यक्ति~~ लेकिन विकास लोगों की भलाई के लिए होना

चाहिए बुराई के लिए नहीं। तो हम सबका मन में यही सोच होना चाहिए। ~~वह एक ही~~ वह सोच सिर्फ एक ही होगा। वह है -

सबके साथ
सबका विकास

इसके लिए हम सब हाथ में हाथ मिलाकर काम करना है और राष्ट्र और राष्ट्रवासी लोगों को विकसित बनाना है। हम सबको राष्ट्र को विकास बनाने के लिए मदद करना चाहिए। इससे होता है विकास।